पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता – मॉड्यूल एक – उसने हमें भविष्यद्वक्ता दिए – भाग 1

विचार-विमर्श के प्रश्न

1. आपको इस अध्याय में क्या सबसे अच्छा लगा, या आपने क्या सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी? आपके मन में क्या प्रश्न थे?
2. उन समस्याओं का वर्णन कीजिए जो ऐसी कलीसिया में उत्पन्न हो सकती हैं जिसने इस अध्याय में उल्लिखित असमंजस के प्रकारों का अनुभव किया है।
3. असमंजस के प्रति दिए जाने वाले अनुचित प्रकार के प्रत्युत्तर कौनसे हैं? इस असमंजस के प्रति प्रत्युत्तर देने का सही तरीका कौनसा है?
4. पुराने नियम की भविष्यवाणी को उदाहरण के रूप में लेते हुए स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार उस भविष्यवाणी की प्रचलित व्याख्या गलतफहमी और समस्याओं की ओर अग्रसर कर सकती है, और किस प्रकार सही व्याख्या सही समझ और सही प्रयोग की ओर अग्रसर कर सकती है?
5. मूल अर्थ के महत्व के प्रकाश में हमारे समय में हो रही घटनाओं के प्रति पुराने नियम की भविष्यवाणी को लागू करने के लिए हमें कौनसी प्रक्रिया का अनुसरण करना चाहिए?
6. समझाइए कि इस अध्याय में व्याख्या के “अणु-संबंधी” और “गैरऐतिहासिक” रूपों का क्या अर्थ है।
7. इन अध्यायों की शिक्षाओं को लागू करने के लिए, हम यशायाह 11:1 का विश्लेषण करेंगे। इस अध्याय के लिए, पद और उसके आस-पास के संदर्भ को पढ़ें। ऐसी कुछ भ्रांतियों पर चर्चा करें जो लोग इस पद की व्याख्या “अणु-संबंधी” या “गैरऐतिहासिक” तरीके से करने पर कर सकते हैं।
8. फिर चर्चा करें कि आप साहित्यिक संदर्भ और ऐतिहासिक संदर्भ के बारे में क्या सीख सकते हैं।
9. आप यशायाह 11:1 का अर्थ कैसे सिखाएँगे?

**समीक्षा कथन : असंमजस के स्रोत और परिणाम**

क्योंकि पुराने नियम की भविष्यवाणी को समझना बहुत कठिन है, और क्योंकि इसे समझने के तरीके के बारे में कलीसियाओं में बहुत मतभेद है, इसलिए हमें पुराने नियम की भविष्यवाणी के बारे में सीखने की जरूरत है, ताकि हम उन "विशेषज्ञों" के बहकावे में न आएँ जो यह दावा करते हैं कि वे विशेष रूप से जानते हैं कि भविष्यवाणियाँ वर्तमान या भविष्य की किन परिस्थितियों का वर्णन कर रही हैं, और इसलिए हम उदासीनता के कारण इसे समझने का प्रयास करना न छोड़ दें।

विषय का अध्ययन : गलत समझा गया और गुमराह किया गया

1. भविष्यवाणी का प्रमाण और निश्चितता

एक बाइबल शिक्षक था जिसने बड़े विश्वास के साथ लोगों को बताया कि मसीह 1984 में वापस आएगा। इसे उसने पुराने नियम की भविष्यवाणियों के द्वारा “प्रमाणित” किया। बहुत से लोगों ने उसकी बात का विश्वास किया। कई लोगों ने तो इस घटना की आशा में अपना सब कुछ बेच दिया। जब 1984 आया और यीशु के पुनरागमन के बिना बीत गया, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि जिन्होंने उस पर विश्वास किया था उन्हें कैसा महसूस हुआ होगा — विशेषकर उन्हें जिन्होंने अपनी सारी संपत्ति बेच दी थी।

1. दो बार मूर्ख बनाई गई और कलीसिया छोड़ दी

जेन पिछले विषय अध्ययन में उन लोगों में से एक थी, जिन्होंने मसीह के आगमन की आशा में अपना सब कुछ बेच दिया था। जब 1984 में यीशु का आगमन नहीं हुआ, तो बाइबल शिक्षक ने दूसरी तिथि देते हुए कहा कि शायद उनका अनुमान गलत हो गया था। क्योंकि उसने अपना सबकुछ बेच दिया था, इसलिए उसके लिए नई तिथि के साथ तालमेल बैठाना बहुत मुश्किल था। पर किसी न किसी तरह उसने फिर से आशा रखी। लेकिन जब दी गई दूसरी तिथि के बाद भी यीशु का पुनरागमन नहीं हुआ तो वह क्रोधित हो गई। वह इतनी क्रोधित हुई कि उसने कलीसिया ही छोड़ दी।

मनन के प्रश्न :

1. अपनी स्थिति और कलीसिया पर विचार करें।
   1. आपकी कलीसिया के समुदाय के अधिकांश लोग भविष्यद्वक्ताओं को कैसे देखते हैं?
   2. क्या कुछ लोग भविष्यद्वक्ताओं के अध्ययन से बचते हैं?
   3. क्या कुछ लोग हर समय भविष्यवाणी के बारे में बात करना पसंद करते हैं?
   4. क्या बात इन दो अलग-अलग स्तर की रुचियों को प्रेरित करता है?
2. पवित्रशास्त्र के कौन से भाग का अध्ययन करना आपके लिए कठिन है और क्यों?
3. क्या आप ऐसे लोगों को जानते हैं जो पुराने नियम की भविष्यवाणी के तथाकथित विशेषज्ञों द्वारा बहकाए गए हैं, जो यह दावा करते हैं कि उन्हें सटीक रूप से पता है कि ये भविष्यवाणियाँ कैसे पूरी होंगी? स्पष्ट कीजिए।
4. क्या आप इस रीति से बहकाए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।
5. क्या आप ऐसे लोगों को जानते हैं जो पुराने नियम की भविष्यवाणी के प्रति उदासीन हैं? स्पष्ट कीजिए।
6. क्या आप पुराने नियम की भविष्यवाणी के प्रति उदासीन रहे हैं? स्पष्ट कीजिए।
7. मसीही सेवकाई में व्याख्यात्मक दृष्टिकोण या व्याख्यात्मक विचार इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं?
8. ग़लत दृष्टिकोण रखने के कुछ नकारात्मक परिणाम क्या हैं?

दिए जानेवाले कार्य

* भविष्यवाणी के बारे में बाइबल के दृष्टिकोण को समझने के लिए समय निकालें ताकि आप बहकाए जाने और उदासीनता दोनों से बच सकें।
* यदि आप बहकाए गए हैं, तो अपने आप को क्रोधित या उदासीन न होने दें। सीखिए कि बाइबल पुराने नियम की भविष्यवाणियों को कैसे देखती है।